सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2025-26

कक्षा:-7 **विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक** **पाठ:5 मेरा नया बचपन**

मौखिक कौशल

1. कवयित्री को अपना बचपन याद आ रहा है।
2. इस कविता के रचनाकार का नाम सुभद्राकुमारी चौहान है।
3. कवयित्री की बेटी ने 'माँ ओ' कहकर आवाज लगाई थी।
4. कवयित्री का बचपन बेटी के बचपन के रूप में आया।

लिखित कौशल

1. (क) बचपन में किसी बात की चिंता नहीं रहती। खेलना-कूदना और मौज-मस्ती करना बचपन के आनंद हैं इसलिए कवयित्री को बचपन की याद बार-बार आ रही है।

(ख) बचपन में ऊँच-नीच, अमीर-गरीब, छोटा-बड़ा आदि का ज्ञान नहीं होता है।

(ग) कवयित्री को अपना बचपन बहुत प्यारा है क्योंकि बचपन चिंतारहित होता है इसलिए कवयित्री पुनः बच्ची बन जाना चाहती हैं।

(घ) कवयित्री की बिटिया उन्हें मिट्टी खाने को दे रही थी।

(ङ) कवयित्री अपनी बिटिया में अपना बचपन जी कर बचपन का आनंद लेती हैं।

(च) बचपन की सुनहरी यादें।

2. (क) बचपन में सब चिंतारहित खेलते-खाते हैं तथा बिना किसी डर के आज़ाद होकर घूमते हैं। अतः बचपन का वह अतुलित आनंद भुलाया नहीं जा सकता।

(ख) बेटी का अंग-अंग पुलकित हो रहा था और उसकी भोली आँखों से उत्सुकता छलक रही थी। मुँह खुशी से लाल हो रहा था ऐसे लगता था जैसे बेटी को मिट्टी खाने जैसे काम पर गर्व महसूस हो रहा था।

मूल्यपरक प्रश्न

1. बिटिया के आने से कवयित्री बहुत आनंदित हुई। इससे पता चलता है कि कवयित्री अपनी बिटिया से बहुत प्यार करती हैं तथा वे अपनी बेटी के रूप में अपना बचपन फिर से पाकर खुश हैं।

2. यह सत्य है कि बचपन किसी के भी जीवन की सबसे आनंदित यादें होती हैं। बचपन मस्ती और खुशी से भरा होता है। बचपन में कोई चिंता नहीं होती। बस खेल-कूदना और मौज-मस्ती ही होती है। इसके अलावा मनचाही खाने की बस्तुएँ मिलती हैं। बड़ों से लाड़-प्यार मिलता है। बचपन में किसी प्रकार का कोई डर नहीं होता।

भाषा कौशल

1. (क) भुलावा (ख) आनंदित (ग) रुलाई (घ) सरलता (ङ) तुतलाहट (च) बचपन